दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 अमरोहा में डबल मर्डर

5 छह की मौतः 'उठो गोलू तुम्हें तो डाक्टर बनना है...

8 इंग्लैंड के 'बैजबाल' पर भारतीय गेंदबाज पड़े भारी यशस्वी-गिल के बाद बुमराह-अश्विन का कमाल

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 29 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 12 फरवरी, 2024

लखनऊ में जनपद गाजीपुर के पूर्व सांसद श्री राधे मोहन सिंह जी ने सपरिवार शिष्टाचार भेंट की।

लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर भगवान पशुपतिनाथ की पावन धरा, पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से आए वहां के माननीय सांसद गण के शिष्टमंडल से शिष्टाचार भेंट हुई।

भारत के रत्न: 1954 से 2024 तक

चौधरी चरण सिंह	2024
एमएस स्वामीनाथन	2024
पीवी नरसिम्हा राव	2024
लालकृष्ण आडवाणी	2024
कर्पूरी ठाकुर	2024
प्रणब मुखर्जी	2019
भूपेन हजारिका	2019
नानाजी देशमुख	2019
मदन मोहन मालवीय	2015
अटल बिहारी वाजपेयी	2015
सचिन तेंदुलकर	2014
सीएनआर राव	2014
पंडित भीमसेन जोशी	2008
लता दीनानाथ मंगेशकर	2001
उस्ताद बिस्मिल्लाह खान	2001

भारत के रत्न: 1954 से 2024 तक

प्रो. अमर्त्य सेन	1999
गोपीनाथ बोरदोलोई	1999
जयप्रकाश नारायण	1999
पंडित रविशंकर	1999
चिदंबरम सुब्रमण्यम	1998
मदुरै शनमुखावदिवु सुब्बुलक्ष्मी	1998
डॉ. अबुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम	1997
अरुणा आसफ अली	1997
गुलजारी लाल नंदा	1997
जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा	1992
मौलाना अबुल कलाम आजाद	1992
सत्यजीत रे	1992
मोरारजी रणछोड़जी देसाई	1991
राजीव गांधी	1991
सरदार वल्लभभाई पटेल	1991

भारत के रत्न: 1954 से 2024 तक

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर	1990
डॉ. नेल्सन रोलिहलाहला मंडेला	1990
मरुदुर गोपालन रामचंद्रन	1988
खान अब्दुल गफ्फार खान	1987
आचार्य विनोबा भावे	1983
मदर टेरेसा	1980
कुमारस्वामी कामराज	1976
वराहगिरी वेंकट गिरी	1975
इंदिरा गांधी	1971
लाल बहादुर शास्त्री	1966
डॉ. पांडुरंग वामन केन	1963
डॉ. जाकिर हुसैन	1963
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	1962
डॉ. बिधान चंद्र रॉय	1961
पुरुषोत्तम दास टंडन	1961

भारत के रत्न: 1954 से 2024 तक

डॉ. धोंडे केशव कर्वे	1958
पं. गोविंद बल्लभ पंत	1957
डॉ. भगवान दास	1955
जवाहरलाल नेहरू	1955
डॉ मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या	1955
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	1954
डॉ. चंद्रशेखर वेंकट रमन	1954
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	1954

सर्वोच्च सम्मान • चौधरी चरण सिंह, स्वामीनाथन और नरसिम्हा राव को भारत रत्न, **पहली बार 18 दिन में 5 हस्तियां सम्मानित**

आम चुनाव से पहले किसान, जाट के साथ दक्षिण को मान

नई दिल्ली

देश के इतिहास में पहली बार महज 18 दिन में पांच हस्तियों को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने का ऐलान किया गया है। ताजा नामों में पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह, हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन और पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर इन तीनों हस्तियों को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की।

इससे पूर्व 3 फरवरी को लालकृष्ण आडवाणी व 23 जनवरी को बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को यह सम्मान देने का ऐलान हुआ था। आम चुनाव से बमुश्किल तीन महीने पहले घोषित इन अवार्ड से किसान, जाट व दक्षिण को भी साधा गया है। क्योंकि, चरण सिंह व स्वामीनाथन की छवि किसान हितैषी के रूप में है। नरसिम्हा राव और स्वामीनाथन का साउथ से सीधा कनेक्शन है।

5 भारत रत्न; नॉर्थ की 143, साउथ की 81 सीटों के लिए 'एक संदेश'

1. चौधरी चरण सिंह; यूपी में 80 लोकसभा सीटें हैं। प. यूपी की 27 सीटों पर सीधा प्रभाव।
क्योंकि... किसानों का मसीहा कहा जाता है। पश्चिमी यूपी में इनकी जबर्दस्त लोकप्रियता है।
प्रभावित वर्ग: किसान व जाट।

2. डॉ. एमएस स्वामीनाथन; तमिलनाडु (39), पंजाब (13) और हरियाणा (10) की कुल 62 सीटों पर असर संभव।
क्योंकि... चेन्नई में जन्मे। ज्यादा उपज देने वाली कई किस्में दीं।
प्रभावित वर्ग: किसान, वैज्ञानिक

3. नरसिम्हा राव; तेलंगाना (17) व आंध्र (25) की कुल 42 सीटें प्रभावित कर सकते हैं।
क्योंकि... जन्म आंध्र में हुआ। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पढ़े। आंध्र के सीएम भी रहे। 1991 में देश को आर्थिक संकट से निकालने का श्रेय।
प्रभावित वर्ग: विभिन्न समुदाय।
- बिहार के पूर्व सीएम **कर्पूरी ठाकुर** का 40 सीटों पर और **आडवाणी** का व्यापक असर। बिहार में ओबीसी का बड़ा वर्ग कर्पूरी को आदर्श मानता है।

भाजपा से गठबंधन पर बोले जयंत- अब कैसे मना करूं?

पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह के पोते व आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने यूपी में भाजपा से गठबंधन पर कहा- अब किस मुंह से मना करूं? संभावित फॉर्मूले के मुताबिक, आरएलडी यूपी में दो लोकसभा सीटों (बागपत, बिजनौर) पर लड़ेगी। पार्टी को 1 राज्यसभा सीट भी मिलेगी।

संसद में पीएम मोदी से मिले आंध्र प्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी

लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर अलीगढ़ एवं आजमगढ़ मण्डल के माननीय विधान सभा सदस्यों एवं माननीय विधान परिषद सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की।

सम्पादकीय

चंपाई सोरेन की जीत भाजपा की बड़ी पराजय

झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा विश्वास मत हासिल करना भारतीय जनता पार्टी की कई मोर्चों पर बड़ी पराजय है

झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा विश्वास मत हासिल करना भारतीय जनता पार्टी की कई मोर्चों पर बड़ी पराजय है। 31 जनवरी को जब वहां के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन घोटाले में गिरफ्तार किया था, तो उसके पहले ही हेमंत सोरेन ने पद से इस्तीफा देकर अपने विश्वसनीय चंपाई सोरेन को विधायक दल का नेता बना दिया था। यह अलग बात है कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने में पूरे 3 दिन लिये और तत्काल बहुमत हासिल करने को कह दिया।

सोमवार 5 फरवरी को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की सरकार ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर, जिसमें कांग्रेस 16 सदस्यों के साथ सबसे बड़ी सहयोगी है, बहुमत हासिल कर लिया। झारखंड विकास मोर्चा, राजद एवं सीपीआई (एमएल) के 1–1 सदस्य हैं। 81 सदस्यीय सदन में एक सीट रिक्त है। इस तरह गठबन्धन के 48 सदस्य हैं। बहुमत पाने के लिये 41 सदस्य चाहिये– उसे 47 मिले। भाजपा व उसकी सहयोगी पार्टियों के पास 32 सदस्य हैं परन्तु उसके 29 सदस्यों ने विश्वास मत के विरोध में वोट डाले। एक सदस्य लम्बे समय से बीमार हैं।

चंपाई सोरेन की जीत का अनेक मायनों में महत्व है। पहला तो यह कि भाजपा का जेएमएम व गठबन्धन को तोड़ने का प्रयास वैसा सफल नहीं हो पाया जिस प्रकार से उसने हाल ही में बिहार में किया है। ईडी के जरिये 'ऑपरेशन लोटस' का षडयंत्र पूरी तरह से नाकाम हो गया। इतना ही नहीं, केन्द्रीय जांच एजेंसियों का डर इसलिये खत्म होता नज़र आता है क्योंकि विश्वास मत के दौरान सदन में अपने भाषण में चंपाई सोरेन ने साफ कर दिया कि उन्हें 'हेमंत सोरेन–2' के रूप में ही जाना जाये। दूसरी तरफ ईडी की हिरासत में लाये गये हेमंत सोरेन ने सदन में बेखौफ कहा कि 'ईडी उन लोगों का बाल भी बांका नहीं कर पाती जो जनता का लाखों करोड़ों रुपये डकारकर विदेश भाग गये हैं।' सबसे बड़ी बात तो यह है कि इंडिया गठबन्धन एकजुट रहा। भाजपा की कोशिशें थीं कि कुछ लोगों को तोड़कर भाजपा की सरकार बनाई जाये। सांसद निशिकांत दुबे का यह दावा भी खोखला साबित हो गया जिसमें उन्होंने कहा था कि जेएमएम के 18 विधायक पाला बदल सकते हैं।

इस अवसर पर लोग बिहार के बरक्स झारखंड के घटनाक्रम को देख रहे हैं जिसमें साफ है कि तमाम राज्यपाल भाजपा के इशारे पर काम करते हैं। नीतीश कुमार ने 28 जनवरी की सुबह 11 बजे राष्ट्रीय जनता दल के साथ चलाई जा रही सरकार से इस्तीफा दिया, उन्हें उसी शाम 5 बजे भाजपा के साथ बनाई सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिला दी गयी। उन्हें विश्वास मत हासिल करने के लिये भी पर्याप्त समय दिया गया है। एक ही सरकार के दो राज्यपालों द्वारा दो तरह के नियम लागू करना भाजपा के लोकतंत्र विरोधी रवैये को तो साबित करता ही है, उससे यह भी साबित होता है कि सत्ता पाने के लिये भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि ना–नुकुर के साथ 3 फरवरी को चंपाई सोरेन को सीएम पद की शपथ दिलाई गयी, उसके तत्काल बाद राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में भाग लेने के लिये नए मुख्यमंत्री गोड्डा पहुंचे थे। वहां उनका पहुंचना और अब सदन में कांग्रेस का जेएमएम के साथ खड़ा होना बतलाता है कि गठबन्धन अटूट है। उसके सदस्य अब केन्द्रीय जांच एजेंसियों के डर से बाहर निकल चुके हैं। इसका असर उन राज्यों की गैर भाजपायी सरकारों पर भी सकारात्मक ही पड़ेगा जिन्हें गिराने की कोशिशें भाजपा करती आ रही है। इनमें मुख्यतः दिल्ली की अरविंद केजरीवाल की सरकार कही जा सकती है। उसके तीन मंत्री व एक सांसद पहले से ही ईडी की कार्रवाई से जेल की सलाखों के पीछे हैं तो वहीं मुख्यमंत्री केजरीवाल तथा शिक्षा मंत्री आतिशी मार्लेना पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। चंपाई सोरेन के जरिये हेमंत सोरेन को मिली जीत से सभी का मनोबल बढ़ेगा।

ऑपरेशन लोटस के माध्यम से झारखंड की गठबंधन सरकार को हटाकर अपनी सरकार बनाने के मंसूबे ध्वस्त होने से भी भाजपा के रवैये में कोई फर्क नहीं आयेगा– ऐसा उसके ट्रैक रिकार्ड को देखकर कहा जा सकता है। कई राज्यों में चुनी हुई सरकारों को अनैतिक तरीकों से गिराने वाली भाजपा की सत्ता लोलुपता जगजाहिर है। वह तो अपना रास्ता बदलने से रही पर यह एक ऐसा अवसर है जब स्वयं जांच एजेंसियों को अपनी साख फिर से प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिये। भाजपा सरकार के गैरकानूनी आदेशों को मानने तथा संसदीय प्रक्रिया में भाजपा का हाथ बंटाने की बजाये निष्पक्ष रूप से उसे काम करना चाहिये–यह भी झारखंड एपीसोड की एक सीख हो सकती है।

बहरहाल, भाजपा को चाहिये कि वह ऐसे गैर वाजिब कामों से बाज आये और देश में स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम करने की जिम्मेदारी ले, क्योंकि वही सत्तारुढ़ है और यही उसका उत्तरदायित्व है। जनतंत्र में सभी राजनैतिक दलों को भयरहित होकर काम करने तथा अपने विस्तार का माहौल मिलना चाहिये। चुनी हुई सरकारों को गिराना या उन्हें अस्थिर करना किसी भी देश के लिये निकृष्टतम कार्य ही कहा जायेगा। भाजपा ने जो कांग्रेस मुक्त या विपक्ष मुक्त भारत की अवधारणा बना रखी है, वह निहायत लोकतंत्र विरोधी है। झारखंड में ईडी के जरिये निर्वाचित सरकार को गिराने में नाकाम रही भाजपा को लोकतंत्र का ककहरा फिर से पढ़ने की ज़रूरत है। झारखंड में मिली नाकामी से वह कई सबक एक साथ ले सकती है, अगर लेना चाहे तो।

भूदान के बाद अब भू–मुक्ति

स्वतंत्र भारत में हुए अनेक आंदोलनों में से विनोबा भाबे के नेतृत्व वाला 'भूदान आंदोलन' सबसे महत्वपूर्ण आंदोलनों में से एक है

'भूदान आन्दोलन' प्रारम्भ हुआ और स्थानीय जमींदार रामचन्द्र रेड्डी इसके पहले दानी बने। खूनी तेलंगाना से शांति और समृद्धि का जो संदेश विनोबा ने दिया, उसे भारत की जनता ने स्वीकार कर लिया। परिणामस्वरूप, बाबा विनोबा ने भूदान के लिए पूरे देश में भूमि एकत्र की और उसे भूमिहीन, बेघरों में वितरित किया। इस तरह उन्होंने गरीबी, अभाव और दरिद्रता को दूर करने में एक मजबूत योगदान दिया। स्वतंत्र भारत में हुए अनेक आंदोलनों में से विनोबा भाबे के नेतृत्व वाला 'भूदान आंदोलन' सबसे महत्वपूर्ण आंदोलनों में से एक है। इस आंदोलन के माध्यम से विनोबा भारत में क्रांति लाने में सफल रहे। विनोबा की क्रांति भारत की मूल समस्याओं के समाधान में एक बड़ा कदम थी। आर्थिक असमानता को दूर करने में आंदोलन के प्रयास उल्लेखनीय थे।

आजादी के ठीक बाद एक और स्वतंत्रता आंदोलन आया जिसे भारत के लोगों की आर्थिक मुक्ति कहा गया। भारत की राजनीतिक मुक्ति के बाद विनोबा के आर्थिक स्वतंत्रता के प्रयासों और 'भूदान आंदोलन' ने भारतीयों के मन में हलचल पैदा कर दी। विनोबा की भूदान यात्रा, भूदान यज्ञ का प्रचार और उसके बाद ग्रामदान, जिलादान, राज्यदान, संपत्तिदान और जीवनदान के आंदोलन ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी। यह आन्दोलन कुछ ही दिनों में जन आन्दोलन में बदल गया।

यह आंदोलन भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी शुरू हुआ। चीनी भू–राजनीतिक व्यवस्था का अनुसरण करते हुए भारत में भी वैसी ही व्यवस्था लागू करने की सोच रखने वाले विनोबा अंततः तेलंगाना से शुरू होकर भूदान की गंगा को पूरे देश में फैलाने में सफल रहे। भूदान के आह्वान ने जमींदारों से दान में मिली जमीन को भूमिहीनों में बांटकर बिनोबा ने नई राह दिखाई, नए विचार पैदा किए, दुनिया के अरबों लोगों को दान की संस्कृति से परिचित कराया और कई लोगों की आंखें खोलने में मदद की।

पौराणिक युग में जमीन के लिए महाभारत युद्ध से शुरू होकर, हाल के दिनों में कई देशों में जमीन के लिए मानव का संघर्ष बहुत अधिक हुआ है। कहां राजशाही और राजशाही के हाथों से धरती माता को मुक्त कराने की पुकार है और कहां जमींदारों और जागीरदारों के हाथों से धरती को मुक्त कराने का प्रयास है। इन कोशिशों के बीच कितनी जानें गईं और कितना खून बहा, इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। यह जमीन देशों के बीच युद्धों का कारण है, परिवारों के बीच संघर्ष का कारण है। उसी प्रकार यह जमीन भाइयों के बीच झगड़े का कारण होती है।

इन अंतहीन संघर्षों, युद्धों तथा हिंसा को समाप्त करने की आवश्यकता है। 'भूदान आंदोलन' ने पूरे देश में जो चेतना विकसित की, उसने दुनिया में जो सांस्कृतिक वातावरण तैयार किया, उसका मूल्यांकन करने की जरूरत है। 'भूदान आंदोलन' के परिणामस्वरूप, कई बेघर परिवार भूमि प्राप्त करने और अपनी आजीविका में सुधार करने में सक्षम हुए, उनके जीवन में बदलाव संभव हुआ।

इसी प्रकार, जिन लोगों ने भूमि दान करके अपनी उदारता का परिचय दिया, वे समाज के सामूहिक विकास में भाग लेने में सक्षम हुए, लेकिन भूदान की सफलता आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। सरकारी नीतियों ने अमीरों को और अमीर तथा गरीबों को और गरीब बनाने में मदद की है। इसके कारण अमीर–गरीब के बीच की खाई नहीं मिट सकी, विषमताएं समाप्त नहीं हो सकीं और करुणा से परिपूर्ण समतामूलक समाज संभव नहीं हो सका।

वह दिन था, 18 अप्रैल 1951। आज के तेलंगाना राज्य के पोचमपल्ली गांव में बाबा विनोबा के अनुरोध और प्रोत्साहन से भारत के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा। उस दिन की घटना ने विश्व में जिस नये आन्दोलन को जन्म दिया, वह था 'भूदान आन्दोलन।' जब तेलंगाना की निराश्रित, अत्यंत गरीब जनता, भूख हड़ताल पर बैठी महिलाएं अपराध करने से नहीं हिचकिचाईं, जब संबंधित क्षेत्रों में खून के प्यासे लोगों का खून–खराबा होने लगा, तो संत विनोबा का हृदय टूट गया। उन्होंने तेलंगाना जाकर वहां के विद्रोहियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और वहां के गरीब लोगों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के प्रयास शुरू किये।

इसके परिणामस्वरूप 'भूदान आन्दोलन' प्रारम्भ हुआ और स्थानीय जमींदार रामचन्द्र रेड्डी इसके पहले दानी बने। खूनी तेलंगाना से शांति और समृद्धि का जो संदेश विनोबा ने दिया, उसे भारत की जनता ने स्वीकार कर लिया। परिणामस्वरूप, बाबा विनोबा ने भूदान के लिए पूरे देश में भूमि एकत्र की और उसे भूमिहीन, बेघरों में वितरित किया। इस तरह उन्होंने गरीबी, अभाव और दरिद्रता को दूर करने में एक मजबूत योगदान दिया। विनोबा ने भारत के हर परिवार से अपना हिस्सा मांगा। विनोबा ने स्वयं को उस परिवार के सदस्य के रूप में प्रस्तुत किया और भारत की जनता ने भी विनोबा को अपने परिवार के सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया।

भूदान आंदोलन के 73 वर्षों के बाद आज देश और दुनिया के अरबों लोगों के लिए जमीन एक और बड़ी समस्या बनकर उभरी है, जिसने मानव समाज के लिए जीवन–मरण की स्थिति पैदा कर दी है। जमीन में जहर घोलकर लोगों को विभिन्न बीमारियों से मारने, कंपनी पूंजी का विकास करने, कॉरपोरेट को मजबूत करने तथा शासन और शोषण की सारी रस्सियां अपने हाथों में रखने की योजना धीरे–धीरे हमारे देश और दुनिया भर में सफल हो रही है। इस योजना में

विश्व के विकसित देशों को प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के देशों तथा तृतीय विश्व के देशों के लोगों की आजीविका को नष्ट करने का षडयंत्र रचा गया है।

तीसरी दुनिया के भौगोलिक क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने और वहां कॉर्पोरेट साम्राज्यवाद का नेतृत्व करने की योजनाओं पर काम चल रहा है। 'तीसरी दुनिया' की कृषि पद्धतियों को समाप्त करने का प्रयास भी ऐसा ही है। जब रासायनिक कृषि, कंपनी–संचालित कृषि और कॉर्पोरेट कृषि को पारंपरिक खेती, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती के नुकसान के लिए बढ़ावा दिया जाता है और जब मानव–आधारित विकास को दफन कर दिया जाता है और पूंजी–आधारित विकास पर जोर दिया जाता है तब इस प्रणाली का विरोध किया जाना चाहिए। रासायनिक खेती, कंपनी संचालित खेती और कॉरपोरेट खेती के खिलाफ एक जोरदार जन आंदोलन की जरूरत है। इस दिशा में कुछ प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन यह एक सीमित वातावरण तक ही हैं। इसकी व्यापकता आवश्यक है। इसके लिए पारंपरिक, प्राकृतिक और जैविक खेती को आगे बढ़ाना होगा और खेतों और किसानों को कंपनियों या कॉरपोरेट पूंजीवाद के हाथों से मुक्त कराना होगा। इसी उद्देश्य से 'भू–मुक्ति आंदोलन' आज आवश्यक हो गया है। जमीन सुरक्षित रहेगी तो जीवन सुरक्षित रहेगा। यदि भूमि से विषैली प्रक्रिया दूर हो जाये तो मानव शरीर स्वस्थ रहेगा। जब जमीन कंपनियों और कारपोरेटों के हाथ से मुक्त होगी तो मानव सभ्यता की मुक्ति का रास्ता खुलेगा। क्या सुखी जीवन, रोगमुक्त शरीर, समस्यामुक्त विश्व के लिए भू–मुक्ति आंदोलन आवश्यक नहीं है?

आसरा तिकड़मों का और दावे वाकओवर के

विपक्ष शासित कर्नाटक में संघ–भाजपा ने बदहवासी में, जद एस का दरवाजा जा खटखटाया है। लोकसभा चुनाव में पलड़ा अपने खिलाफ झुकने की आशंका से भाजपा इतनी ज्यादा भरी हुई है कि उसने आनन–फानन में गठबंधन के हिस्से के तौर पर जद एस के लिए इस राज्य में लोकसभा की चार सीटें छोड़ने का ऐलान कर दिया, जबकि 2019 के चुनाव में भाजपा ने इस राज्य की कुल 28 में से 25 सीटों पर जीत हासिल की थी।झारखंड में आखिरकार, चम्पाई सोरेन की सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। वास्तव में इसमें अगर किसी को संदेह रहा भी होगा तो रांची हाई कोर्ट के हेमंत सोरेन को विश्वास मत के लिए विधानसभा में उपस्थित रहने और मतदान में हिस्सा लेने की इजाजत देने के बाद, दूर हो गया होगा। हेमंत सोरेन की एक पुराने भूमि संबंधी मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद, राज्य में अगर ज्यादा बड़ी राजनीतिक उठा–पटक टल गयी है और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में एक प्रकार से इंडिया गठबंधन की सरकार बनी रह सकी है, तो ऐसा कम से कम इसलिए हर्गिज नहीं हुआ है कि देश में सत्ता में बैठी भाजपा ने, ईडी की एक पदासीन मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी जैसी असाधारण कार्रवाई का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश नहीं की थी। बेशक, यह मानने के लिए बहुत ही ज्यादा भोला होना जरूरी होगा कि ईडी ने सत्ता के शीर्ष पर बैठे भाजपा नेताओं के इशारे के बिना ऐसी असाधारण कार्रवाई की होगी और वह भी किन्हीं अकाट्य साक्ष्यों के बिना ही। बहरहाल, यहां हम ईडी की इस कार्रवाई की वैधता के सवाल में न जाकर, इसी का ध्यान दिलाने तक खुद को सीमित रखेंगे कि भाजपा नेता अर्जुन मुंडा के दावे के विपरीत, ईडी के इस कदम के स्वाभाविक परिणाम के तौर पर, झारखंड सरकार के स्तर पर आने वाली राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठाने की भाजपा ने हरेक संभव कोशिश की थी। बेशक, यह कोई संयोग ही नहीं है कि हेमंत सोरेन के ईडी की इस कार्रवाई का सामना करने के लिए अपनी ओर से तैयारी के हिस्से के तौर पर, झारखखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद तथा सीपीएमएल विधायक मंडल के नये नेता के रूप में चंपाई सोरेन का चुनाव करने के बाद, औपचारिक गिरफ्तारी से ठीक पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के साथ ही, बहुमत के समर्थन के साथ नयी सरकार के गठन का दावा पेश किए जाने के बावजूद, मोदी राज द्वारा नियुक्त राज्यपाल ने नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रण देने में छत्तीय घंटे से ज्यादा लगा दिए। यह इसके बावजूद था कि इससे चंद रोज पहले ही, बगल में बिहार में नीतीश कुमार के पल्टी मारकर दोबारा भाजपा की गोद में जा बैठने की सूरत में, महागठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में उनके इस्तीफे और एनडीए सरकार सरकार के गठन के लिए आमंत्रण के बीच, चंद घंटे भी नहीं लगे थे। इस तरह, जाहिर है कि भाजपा को अपने स्पष्टङ्क अल्पमत को बहुमत में तब्दील करने की जोड़–तोड़ के लिए समय देने के लिए ही, राज्यपाल ने झारखंड को पूरे दो दिन, वैध निर्वाचित सरकार के बिना ही गुजारने पर मजबूर कर दिया। हैरानी की बात नहीं है कि इस सब के सामने, अपने स्पष्टङ्क बहुमत को अल्पमत में तब्दील कर, अवैध हथकंडों से अपनी सरकार ही चुराए जाने से बचाव के राज्य में सत्ताधारी गठबंधन को, अपने 39 विधायकों को हैदराबाद पहुंचाना पड़ा था, ताकि अवैध चोरी से अपने विधायकों की हिफाजत कर सके।

लेकिन, आखिरकार भाजपा का कोई पैंतरा काम नहीं आया और मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के दो दिन में ही चंपई सोरेन ने विधानसभा में 47 सदस्यों का समर्थन साबित कर दिया, जबकि बहुमत के लिए उन्हें सिर्फ 41 वोट की जरूरत थी। इस तरह, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भिजवाने के बावजूद, भाजपा झारखंड में किसी तरह से सरकार हथियाने में ही नाकाम नहीं रही है, झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में से अधिकतम को कब्जाने का उसका एक बड़ा दांव भी विफल हो गया है। ने

याद रहे कि झारखंड की कुल 14 संसदीय सीटों में से 2019 में भाजपा खुद 11 सीटों पर कब्जा करने में कामयाब रही थी, जबकि एक सीट उसकी सहयोगी एजेएसयू के हिस्से में आयी थी। दूसरी ओर, वर्तमान इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधित्व कर रही झामुमो और कांग्रेस के हिस्से में दो सीटें ही आयी थीं। लोकसभा चुनाव के कुछ ही महीने बाद हुए विधानसभाई चुनाव में, भाजपा बुरी तरह हार गयी थी और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन की सरकार बनी थी। कहने की जरूरत नहीं है कि राज्य से लोकसभा सीटों में उल्लेखनीय कमी की आशंकाओं को कम करने की कोशिश में ही, झारखंड की विपक्षी सरकार को अस्थिर करने का पूरा खेला रचाया गया था। सभी जानते हैं कि कुछ भिन्न रूप में ऐसा ही खेला इससे ठीक पहले, बगल बिहार में सफलता के साथ रचाया गया था। इस खेल में भाजपा ने, नीतीश कुमार की पल्टी के जरिए, एक प्रकार से उस गठजोड़ को ही दोबारा हासिल करने की कोशिश की है, जिसके सहारे 2019 के चुनाव में उसका गठजोड़ राज्य की चालीस में से कुल 39 सीटों पर काबिज हो गया था, हालांकि खुद भाजपा के हिस्से में 17 सीटें ही आयी थीं। महागठबंधन की सरकार बनने के साथ, बिहार का लोकसभा चुनाव भी भाजपा को अपने हाथ से पूरी तरह से निकल गया नजर आ रहा था और ठीक इसीलिए, नीतीश कुमार के लिए 'बाइ बैक' की पेशकश के जरिए, भाजपा ने महागठबंधन तथा उसकी सरकार को साम–दाम–दंड–भेद के सभी हथकंडों को आजमा कर तुड़वाया है। बेशक, संघ–भाजपा का यह पैंतरा भी बहुत कामयाब शायद ही हो क्योंकि 2019 के बाद से बिहार में गंगा में बहुत पानी बह चुका है और पिछले विधानसभाई चुनाव में नीतीश–भाजपा गठजोड़ को ही, राजद के नेतृत्व में महागठबंधन ने करीब–करीब हरा ही दिया था।

अमरोहा में डबल मर्डर

सराफ पिता- बेटी को गला रेतकर मार डाला

घर में सो रहे बेटा-बहू को नही चल पाया पता

गोरखपुर। अमरोहा में सराफ पिता–पुत्री की देर रात गला रेतकर हत्या कर दी। दोनों शव घर के फर्श पर पड़े मिले। वारदात की जानकारी घर के दूसरे हिस्से में सो रहे बेटे–बहू को नहीं लग पाई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी देखे और साक्ष्य जुटाए। घर में रखा सामान अस्त व्यस्त था। अमरोहा कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरा गुलाम अली में रहने वाले सराफ योगेश चंद अग्रवाल (67) और उनकी बेटी सृष्टि (27) की हत्या कर दी गई। दोनों पिता–पुत्री के शव घर के कमरे में फर्श पर लहूलुहान हालत में पड़े मिले। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। घर के भीतर सेफ–अलमारी में रखा सामान बिखरा मिला। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने साक्ष्य जुटाए। डीआईजी और एसपी ने घटनास्थल का मुआयना किया। वारदात के समय कारोबारी का बेटा और बहू अपने बच्चे साथ घर के दूसरे हिस्से में सो रहे थे। सराफ योगेश चंद अग्रवाल उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष और सेवा भारती संस्था के नगर अध्यक्ष थे। वह समाजसेवा से जुड़े कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनकी पत्नी की कई साल पहले मौत हो गई थी। परिवार में बेटा इशांक अग्रवाल, बेटी सृष्टि और बहु मानसी अग्रवाल हैं।

बेटा इशांक अग्रवाल दिल्ली में गत्ता फैक्टरी चलाते हैं। जबकि बहु मानसी अग्रवाल अपने बेटे के साथ घर पर रहती हैं। बृहस्पतिवार इशांक अग्रवाल भी घर आए हुए थे। परिवार में सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा था। शुक्रवार की रात योगेश चंद अग्रवाल अपनी बेटी सृष्टि के साथ अपने घर में थे। उनका बेटा और बहू घर के दूसरे हिस्से में सो रहे थे। रात में किसी समय योगेश चंद अग्रवाल और उनकी बेटी सृष्टि की हत्या कर दी गई। दोनों के शव घर में फर्श पर पड़े मिले। दोनों के कपड़ों से खून लगा हुआ था। हत्यारोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद पिता–पुत्री के चेहरे पर कपड़ा ढक दिया।

शनिवार की सुबह करीब छह बजे सराफ योगेश चंद्र अग्रवाल के साथी राजनिकेतन, सतीश अरोड़ा, अतुल गुप्ता और विनीत चावला उनकी घर की छत पर टेबल टेनिस खेलने पहुंचे तभी घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी कुंवर अनुपम सिंह समेत आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। हत्या क्यों और किस लिए की गई ये अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल एसओजी, सर्विलेंस समेत पांच टीमें हकीकत का पता लगाने में जुटी हैं।

देखते ही देखते भीड़ से निकले उपद्रवी दुकानें तहस-नहस कर लोगों को पीटने लगे

गोरखपुर। बरेली में शुक्रवार को शाम 3:45 बजे तक श्यामगंज में हलचल तो जरूर थी, मगर अधिकतर बड़ी दुकानों के शटर गिरने लगे थे। कुछ खुली रह गईं दुकानों पर ग्राहक खरीदारी कर रहे थे। चार बजे ही थे कि मौलाना तौकीर रजा के प्रदर्शन में शामिल होकर लौटते करीब डेढ़ से दो हजार की संख्या में रहे समर्थकों ने हमला बोल दिया। पटरी पर लगी दुकानों का सामान तहस–नहस कर दिया गया। सड़क पर खड़ी बाइकों को गिराते हुए भीड़ साहू गोपीनाथ कॉलेज से आगे बढ़ी। श्यामगंज चौराहे से पहले बुजुर्ग दुकानदार हरप्रीत सिंह को पहला निशाना बनाया। इसके बाद रास्ते में कई अन्य लोगों को भी पीटा। चौराहे पर मौजूद दुकानदार राजीव ने बताया कि भीड़ को हंगामा करते देख दुकानदारों ने शटर गिराने शुरू कर दिए थे। श्यामगंज चौराहे से कुछ पुलिसकर्मी पिलर नंबर सात के पास पहुंचे और भीड़ को शांत कराने की कोशिश की तो वे शाहदाना की ओर मुड़ गए।

पिलर नंबर 10 के नीचे फूलों की दुकान लगाए बैठे शिवम को 18–20 लोगों ने पीटना शुरू कर दिया। किसी तरह भागकर उसने जान बचाई। वहां मौजूद सागिर ने बताया कि फूल बेचने वाले शिवम पिलर से सटकर बैठे थे। अचानक भीड़ ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। वह जान बचाकर भागे तो भीड़ ने दुकान तोड़ दी और फूल फेंक दिए। वहां से कुछ दूरी पर फूलों की और भी दुकानें थीं, मगर पुलिस होने के कारण उपद्रवी कुछ कर न सके। पिटाई के चुटहिल शिवम लौटकर नहीं आए, बाद में उनका दोस्त रोहित ही दुकान के बचे हुए कुछ फूल समेटने में लगा।

राहगीरों को बनाया शिकार

भीड़ का एक हिस्सा मौलाना आजाद इंटर कॉलेज के सामने खड़ा हुआ था। सनराइज कॉलोनी निवासी समीर सागर श्यामगंज से सेटेलाइट बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। कॉलेज के सामने भीड़ ने उन्हें रोक लिया और गिराकर पीटना शुरू कर दिया। उनकी बाइक सड़क पर गिराकर कुछ लोग उस पर खड़े हो गए और कुछ ने पत्थर से बाइक को तोड़ना शुरू कर दिया। समीर वहां से बचकर श्यामगंज चौराहे की ओर भागे। बाद में पुलिस ने बाइक सड़क से हटवाई। इससे पहले भीड़ ने जगतपुर के कपिल शर्मा की भी पिटाई कर दी।

पानी की टंकी के पास भीड़ ने किया पथराव

भीड़ इसी सड़क पर थोड़ा आगे बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक के बाहर एक चाय की दुकान के सामने डटी थी। पुलिस ने सख्ती की तो वहां से भीड़ पुराने शहर की ओर चली गई। दो सौ से अधिक लोग मालियों की पुलिया पर चाय की एक अन्य दुकान पर जमा थे। वहां काफी देर तक नारेबाजी हुई। इसी बीच श्यामगंज में पानी की टंकी के पास भीड़ ने हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ लोगों ने पत्थरबाजी भी की। पुलिस टीम वहां पहुंची तो भीड़ नारेबाजी करते हुए सैलानी की तरफ जाने लगी। पीछे–पीछे पुलिस टीम लोगों से मुख्य रोड से हटने की अपील करती रही मगर वे नहीं माने। छतों से महिलाएं भी वीडियो बनाती रहीं। पुलिस को देखकर कुछ लोगों ने अपनी दुकानें बंद करना शुरू कर दिया। हालांकि, एक घंटे बाद ही पूरा बाजार फिर खुल गया। पुलिस बल ने एक घंटे तक गश्त कर यहां लोगों को समझाया। शाम पांच बजे डीएम रविंद्र कुमार और एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान भी पहुंचे। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

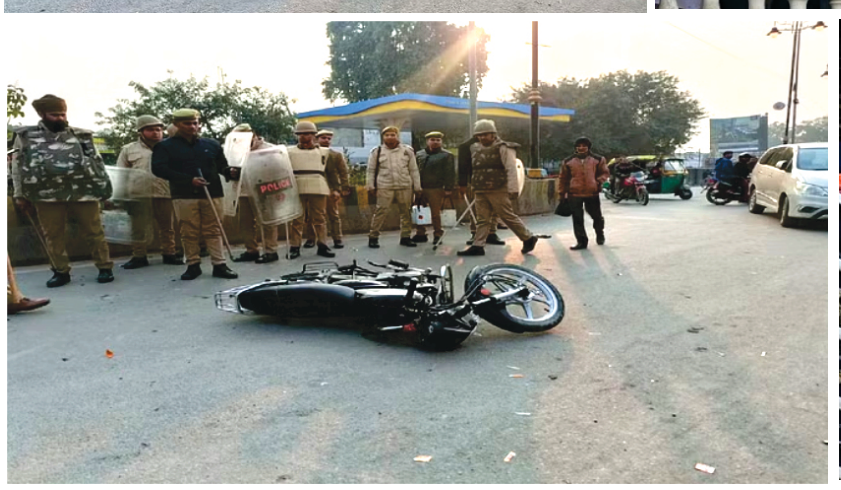

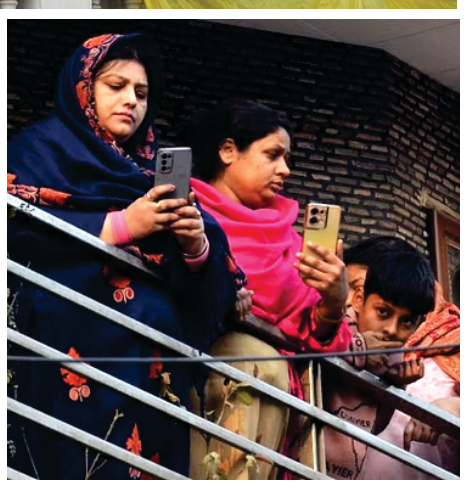

श्यामगंज से मालियों पुलिया तक पुलिस का खौफ नही

श्यामगंज से मालियों पुलिया तक करीब आधा किलोमीटर हिस्से में सड़क पर चाय की कई दुकानें लगती हैं। यहां देर रात दो बजे तक सैकड़ों लोगों की भीड़ जुटती है। कई बार हंगामा, लड़ाई और बवाल हो चुका है। बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक के बाहर चाय की दो दुकानों पर रात दो बजे तक तीन–चार सौ लोगों का जमावड़ा रहता है। मालियों की पुलिया पर स्थित चाय की दुकान पर भी ऐसी ही भीड़ रहती है। आमतौर पर पुलिस रात 10 बजे से ही दुकानें बंद कराने लगती है, मगर यहां पुलिसकर्मी खुद ही रात दो बजे तक ठहरते हैं। यहां सड़क का आधे से अधिक हिस्सा बाइकों की वजह से जाम रहता है। यहां कुछ चुनिंदा दुकानों को छोड़कर बाकी को पुलिस सख्ती से बंद करा देती है। इन्हीं चुनिंदा दुकानों पर अशरफ के साले सद्दाम को भी कई बार देखा गया था।

प्रयागराज में शराब माफिया पर पुलिस का तगड़ा प्रहार 1.20 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त

संवाददाता, चंदौली। जिले की पुलिस ने शराब माफिया पर तगड़ा प्रहार किया है। सदर कोतवाली के जगदीश सराय निवासी राजेश कुमार की 1.20 करोड़ की संपत्ति जब्त की जाएगी। पुलिस व प्रशासनिक टीम मंगलवार को जब्तीकरण की कार्रवाई में जुटी है। शराब माफिया ने अवैध संपत्ति अर्जित कर आलीशान मकान बनवाया। वहीं वाहन भी खरीदा है। पुलिस की कार्रवाई से शराब माफिया में खलबली मची है।

राजेश अवैध शराब की तस्करी में संलिप्त था। उसके खिलाफ कंदवा थाने में मुकदमा दर्ज था। वहीं गैंगस्टर के तहत भी कार्रवाई की गई थी। पुलिस कुख्यात/गैंगस्टर अभियुक्तों की अवैध संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई कर रही। इसी क्रम में धारा–3 (1) उप्र. गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी किया–कलाप (निवारण) अधिनियम थाना कंदवा से संबंधित शराब माफिया की संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई जाएगी। उसने अपने आर्थिक, भौतिक एवं अनुचित दुनियाबी लाभ के लिए आपराधिक कृत्यों से संपत्ति अर्जित की।

मकान की कीमत 1.20 करोड़ रुपये

इसी पैसे से जगदीश सराय में मकान बनाया। इसकी अनुमानित कीमत 1.20 करोड़ रुपये और उसकी सुपर स्पलेंडर बाइक जिसकी अनुमानित कीमत 45 हजार रुपये के आसपास है। पुलिस के अनुसार यह चल और अचल संतत्ति आपराधिक कृत्यों के अर्जित धन से बनाई गई है। उक्त संपत्ति को जिला मजिस्ट्रेट की ओर से 14(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत राज्य सरकार के पक्ष में कुर्क करने के लिए निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार ने कहा कि कानून व्यवस्था के तहत आवश्यक कार्रवाई मंगलवार से की जाएगी।

सुनैना हत्याकांडः मेरी छोटी बेटी से दामाद के संबंध, इसलिए उसे मार डाला

कानपुर। कानपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां महिला की हत्याकर शव यमुना में बहा दिया, मृतक के पिता ने दामाद पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि दामाद के छोटी बेटी से संबंध हैं। इसका बड़ी बेटी विरोध करती थी। इसलिए उसे मार डाला। कानपुर के घाटमपुर के रेवना थाना इलाके के कटरी गांव से चार दिन से लापता महिला का शव रविवार की शाम यमुना नदी में उतराता मिला। मृतक महिला के पिता ने दामाद, अपनी छोटी बेटी समेत चार पर हत्याकर शव यमुना में बहाने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता ने आरोप लगाया कि दामाद के छोटी बेटी से हैं संबंध, बड़ी बेटी विरोध करती थी, इसलिए उसे मार डाला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कटरी गांव निवासी शैलेंद्र निषाद (35) का विवाह छह साल पहले फतेहपुर, चांदपुर के भगलापुर निवासी रामबाबू की पुत्री सुनैना से हुआ था।

सुनैना के दो बच्चे यश व रुचि हैं। पुलिस के मुताबिक शैलेंद्र के अपनी साली नैना से प्रेम संबंध हैं। इसे लेकर सुनैना व उसके पति शैलेंद्र के बीच आए दिन झगड़ा होता था। छह महीने पहले शैलेंद्र अपनी ससुराल गया और नैना को जबरन लाकर अपने साथ रखने लगा। बाद में उससे शादी भी कर ली। मृतका के पिता का आरोप है कि विरोध करने पर शैलेंद्र आए दिन सुनैना को पीटने लगा। एक फरवरी को सुनैना घर से अचानक लापता हो गई। पति शैलेंद्र ने थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रविवार की शाम गांव के कुछ मछुआरे यमुना नदी में मछलियां पकड़ रहे थे। तभी जाल में सुनैना का शव फंस गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता ने पति शैलेंद्र, छोटी बेटी नैना व शैलेंद्र के दो भाइयों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी एके श्रीवास्तव ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रेम विवाह के एक माह बाद महिला ने दी जान, हंगामा

वहीं, कानपुर के पनकी के शताब्दीनगर में प्रेम विवाह के एक माह बाद महिला ने फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा काटा। पति की पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। मायके वालों ने प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने का आरोप लगाया है। वहीं, पति का कहना है कि विवाद के बाद वह घर से सुसाइड की बात कह कर चला गया था, देर रात घर लौटा तो पत्नी का शव फंदे पर लटका मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्नाव के इंदिरा निवासी शिम्मी कश्यप (20) ने एक जनवरी 2024 को पनकी के शताब्दीनगर निवासी शुभम से परिवार वालों के खिलाफ जाकर कोर्ट मैरिज की थी। शुभम चुन्नीगंज का रहने वाला था, लेकिन शादी के बाद से किराये के फ्लैट में शताब्दीनगर में पत्नी के साथ परिवार से अलग रहता था। शिम्मी के भाई विजय ने बताया कि रविवार रात 11:30 बजे फोन करके बताया कि आपकी बेटी ने सुसाइड कर लिया है। इसके बाद मायके वाले मौके पर पहुंचे और शुभम को दबोच कर उसकी पिटाई शुरू कर दी। सूचना पर पनकी थाने की पुलिस, एसीपी पनकी टीबी सिंह मौके पर पहुंचे और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। मायके वालों ने शुभम पर हत्या का आरोप लगाकर पीट दिया। एसीपी पनकी टीबी सिंह ने बताया कि शुभम को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल अभी शुभम के खिलाफ उसके ससुरालियों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

इंस्टाग्राम से की थी दोस्ती

महिला के मायके वालों ने आरोप लगाया कि शुभम की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। यह बात उसने छिपाई थी। वह नशे का आदी है। झांसे में लेकर इंस्टाग्राम पर दोस्ती की और फिर नए साल में प्रेम विवाह करने के बाद पनकी में किराये के फ्लैट पर अलग रहता था। सच्चाई सामने आने के बाद दोनों के बीच झगड़ा होने लगा था।

पुलिस सुन लेती तो बच जाती बेटी की जान

मां ने पुलिस को बताया कि बेटी ने तीन दिन पहले फोन कर शादी का गलत कदम उठाने की बात कही थी। शादी के बाद घुट–घुटकर जी रही है। उन लोगों ने उन्नाव में थाने में प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। अगर पुलिस सुनवाई कर लेती तो शायद उनकी बेटी की जान बच जाती।

संकल्प रामराज्य...

बजट में भी राम आए हैं, योगी के आठवें बजट की आठ महत्वपूर्ण बातें

लखनऊ। योगी सरकार का अब तक का सबसे बड़ा 7,36,438 करोड़ रुपये का बजट है। टैक्स का कोई अतिरिक्त बोझ नहीं है। युवाओं को रोजगार, किसानों को सौगात और सड़कों पर धनवर्षा हुई है। आइए जानते हैं योगी के आठवें बजट की आठ महत्वपूर्ण बातें योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल के तीसरे बजट में रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प दिखता है। भगवान राम को समर्पित राज्य के अबतक के सबसे बड़े बजट में समाज के सबसे कमजोर तबके से लेकर किसानों के उत्थान पर खास ध्यान दिया गया। विकसित उत्तर प्रदेश की बुलंद इमारत के लिए युवा और महिला सशक्तीकरण के जरिये भविष्य के राज्य की मजबूत नींव रखी गई। आने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए हर वर्ग के मतदाताओं को साधने का प्रयास भी बजट के माध्यम से किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को विकास और उत्थान पर केंद्रित 7.36 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। रामराज्य के लक्ष्य पर केंद्रित योगी सरकार के आठवें बजट का आरंभ और अंत रामनाम के साथ हुआ। मुख्यमंत्री ने इसे उत्सव, उद्योग व उम्मीद का बजट करार दिया, जिसमें आम आदमी पर टैक्स का अतिरिक्त बोझ नहीं बढ़ाया गया।

इस बजट में 2023–24 की तुलना में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रदेश के बजट में पहली बार 2 लाख 3 हजार 782 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। साफ है कि जितना ज्यादा बुनियादी ढांचे पर खर्च किया जाएगा, उतना ही कारोबार और रोजगार बढ़ेगा।

यूपी को देश की दूसरी अर्थव्यवस्था से नंबर वन बनाने के लिए 24,863 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल की गई हैं। प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य, विंध्याचल, देवीपाटन और बरेली में नाथ कॉरिडोर और प्रयागराज में कुंभ संग्रहालय के लिए भारी भरकम राशि की व्यवस्था की गई है।शोध व नवाचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग को प्रोत्साहन देने के लिए भी में बजट प्रावधान किया गया है। इसी के तहत आईआईटी कानपुर में मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी और 500 बेड के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की स्थापना की जाएगी।

जेहि महुँ आदि मध्य अवसाना।
प्रभु प्रतिपाद्य राम भगवाना।।

मुख्यमंत्री ने इस चौपाई के माध्यम से बजट की व्याख्या की। बजट की शुरुआत, मध्य और बजट के अंत में भी प्रभु श्रीराम हैं। बजट के विचार और संकल्प में एक–एक शब्द में श्रीराम हैं, श्रीराम लोकमंगल के पर्याय हैं। कहा कि लोकमंगल को समर्पित यह बजट समग्र संकल्पों को पूरा करने वाला जन कल्याण का बजट है।

पांच लाख का ब्याज मुक्त ऋण देकर तैयार करेंगे नए उद्यमी

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए ऐसी योजना पेश की गई है, जिसके तहत उन्हें नौकरी के बजाय उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' योजना के लिए 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। युवाओं को उद्यमी बनाने की राह में सबसे बड़ी बाधा धन की आ रही थी। प्रशिक्षण लेकर निकले युवा फंड के अभाव में रोजगार की तलाश में बाहर निकल जाते थे। उन्हें रोकने व प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए नई योजना शुरू की गई है। इसमें एक लाख युवाओं को जोड़ा जाएगा। उन्हें अधिकतम पांच लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण चार वर्ष के लिए दिया जाएगा। ऋण की गारंटी सरकार लेगी।

1000 करोड़ की व्यवस्था 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' योजना के लिए

इस योजना से आगामी 10 वर्षों में दस लाख नए युवा उद्यमी तैयार करने का लक्ष्य है। निजी क्षेत्र में औद्योगिक संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में 10 प्लेज पार्क का लाभ भी युवा उद्यमियों को मिलेगा। –राकेश सचान, एमएसएमई मंत्री

आठ महत्वपूर्ण बातें

1. युवाओं को रोजगार
अपना उद्यम शुरू करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण।
2. बेटियों को प्रोत्साहन
कन्या सुमंगला योजना की राशि दस हजार बढ़ाई।
3. किसानों को सौगात
तीन नई योजनाओं के अलावा, मुफ्त सिंचाई और छुट्टा पशुओं से सुरक्षा।
4. इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस
हवाई सुविधाओं के विस्तार व विकास के लिए 2400 करोड़। डिफेंस कॉरिडोर के लिए 550 करोड़।
5. धार्मिक व सांस्कृतिक एजेंडे पर ध्यान
अयोध्या, काशी, कुंभ, नाथ कॉरिडोर, शुक क्षेत्र व देवीपाटन तीर्थ क्षेत्र का होगा विकास।
6. सेहत को पूरा साथ
वाराणसी में नया मेडिकल कॉलेज। अयोध्या में आयुर्वेदिक महाविद्यालय व वाराणसी में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का भी एलान।
7. पहला ग्रीन बजट वाला राज्य
सोलर इनर्जी, बायो इनजी, ईवी, जैव विविधता में सुधार व ग्रीन कॉरिडोर संबंधी योजनाएं बढ़ेंगी आगे।
8. नए शहरों का सपना साकार
नई टाउनशिप के विकास के लिए 3000 करोड़। राज्य समार्ट सिटी योजना के लिए 400 करोड़ रुपये।

सबसे ज्यादा शिक्षा की हिस्सेदारी

शिक्षा	76,035 करोड़
ऊर्जा	57,071 करोड़
पुलिस	39,516 करोड़
लोक निर्माण	34,858 करोड़
स्वास्थ्य व परिवार कल्याण	27,086 करोड़
नगर विकास	25,698 करोड़
ग्रामीण विकास	25,409 करोड़
नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति	25,710 करोड़
पंचायती राज	21,197 करोड़
भारी एवं मध्यम उद्योग	21,054 करोड़

कल्याणकारी योजनाओं पर खास फोकस

सर्व शिक्षा अभियान	21,310 करोड़
विधवा व वृद्धा पेंशन	12,620 करोड़
जल जीवन मिशन	22,000 करोड़
मनरेगा	5,060 करोड़
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	36,095 करोड़
पीएम ग्राम सड़क योजना	3668 करोड़
पीएम आवास योजना	6389 करोड़
स्वच्छ भारत मिशन	7575 करोड़।

सर्दी और सूरज पड़े सुस्त...

कानपुर में बादलों ने कहा– अब हमारी बारी घुटनों तक लग रहा बारिश का पानी

भर शहर में झमाझम बारिश होती रही। इससे शहर में 26.4 मिलीमीटर पानी बरस गया जो फरवरी माह में होने वाली औसत वर्षा 14.3 मिमी से भी 12.1 मिमी ज्यादा है। मौसम विभाग ने पांच से 10 मिमी वर्षा का अनुमान लगाया था लेकिन रविवार शाम को शुरू हुई वर्षा ने सुबह तक सारे अनुमान ध्वस्त करते हुए रिकार्ड वर्षा करा दी।

संवाददाता, कानपुर। कुछ दिनों पहले सर्दी और सूरज के बीच एक दूसरे को पछाड़ने की जोर आजमाइश चल रही थी। कुछ दिनों के बाद जब दोनों सुस्त पड़ गए तो बादलों को मौका मिल गया और अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए आसमान पर आ डटे। पश्चिमी विक्षोभ के साथ आए बादलों ने रविवार और सोमवार को मौसम विभाग के सभी अनुमान ध्वस्त कर दिए।

रविवार रात भर शहर में झमाझम बारिश होती रही। इससे शहर में 26.4 मिलीमीटर पानी बरस गया, जो फरवरी माह में होने वाली औसत वर्षा 14.3 मिमी से भी 12.1 मिमी ज्यादा है। मौसम विभाग ने मंगलवार को आसमान साफ रहने के साथ दिन में चमकदार धूप निकलने की संभावना जताई है।

मौसम इस बार सर्दी, गर्मी और वर्षा में भी अप्रत्याशित प्रदर्शन कर रहा है। शनिवार से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम विभाग ने पांच से 10 मिमी वर्षा का अनुमान लगाया था लेकिन रविवार शाम को शुरू हुई वर्षा ने सुबह तक सारे अनुमान ध्वस्त करते हुए रिकार्ड वर्षा करा दी।

बारिश का टूट गया रिकॉर्ड

कृषि मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि फरवरी महीने की औसत वर्षा का रिकार्ड 14.3 मिमी का है। इस बार रिकार्ड टूट गया है। इससे पहले 2013 में पांच फरवरी को 44.4 मिमी पानी बरसा था। इतना ज्यादा पानी बरसने से जिन खेतों में पानी की उचित निकासी नहीं है वहां फसलों को नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि इस साल जनवरी महीने में पानी बहुत कम बरसा है। इससे फसलों को नुकसान हुआ है लेकिन यह बारिश कुछ कमी पूरी करनी वाली हो सकती है।

बारिश के कारण दिन का तापमान 19.2 डिग्री रहा जो सामान्य से 2.4 डिग्री कम है। पश्चिमी विक्षोभ के विदा होने के साथ ही अब वर्षा की गतिविधि बंद हो जाएगी और मंगलवार से चमकदार धूप निकलेगी। इससे पहाड़ों की सर्दी आएगी और अगले सप्ताह से ज्यादा ठंड का अहसास होगा।

लखनऊ । होटल में रुके परिवार के आभूषण हुए चोरी, होटल वालों, पुलिस ने नहीं की सहायता। अयोध्या दर्शन करने जा रहे परिवार को पहले उनका सामान होने का आश्वासन देना फिर इनकार कर देना अमानवीय है, ये प्रदेश की कानून व्यवस्था और चरित्र की बदनामी है। पीड़ित परिवार का सहयोग करे सरकार, नुकसान की हो भरपाई।

छह की मौतः 'उठो गोलू तुम्हें तो डाक्टर बनना है...

तुमने तो मेरे सपने अधूरे छोड़ दिए', बाप की दर्दनाक पीड़ा

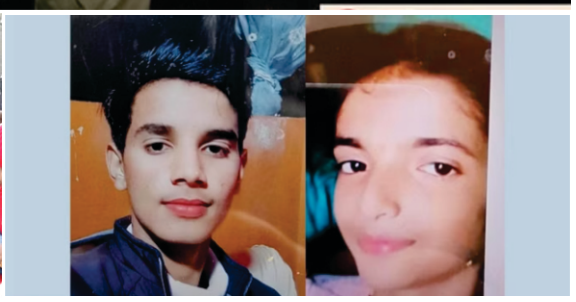

कानपुर। कानपुर देहात के सिकंदरा थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव के पास अंधे मोड़ पर रविवार की देर रात बारिश के दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे में बीएसएफ के दरोगा समेत एक होमगार्ड, दो सगी बहनों समेत छह लोगों की मौत हो गई। कार सवार सभी लोग तिलक समारोह में शामिल होकर भिंड से मुर्रा डेरापुर लौट रहे थे। हादसे के दौरान दो बच्चे कार का शीशा तोड़कर बाहर निकल आए, जिससे उनकी जान बच गई। डेरापुर थाना क्षेत्र के मुर्रा निवासी पंकज शर्मा की बेटी सुगम शर्मा का तिलक लेकर परिवार के लोग रविवार को मध्यप्रदेश के जिला भिंड के बड़ापुरा (फुफगांव) गए थे। देर रात पंकज का परिवार और रिश्तेदार अलग–अलग गाड़ियों से वापस गांव लौट रहे थे। एक कार में पंकज का छोटा भाई विकास और परिवार के लोग थे। विकास कार से रात दो बजे के करीब जैसे ही सिकंदरा थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव के अंधे मोड़ के पास पहुंचे तभी बारिश की वजह से फिसलन होने से कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे करीब आठ फीट गहरे पानी भरे नाले में पलट गई।

हादसे में विकास की बेटी वैष्णवी उर्फ नैंसी (14), बेटा शिवा उर्फ विराट (12) किसी तरह शीशा तोड़कर बाहर निकल आए लेकिन विकास समेत छह लोग कार में फंसे रहे।

काफी देर बाद हादसे की जानकारी मिलने पर ग्रामीण पहुंचे और जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला और सिकंदरा स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने विकास शर्मा (42) निवासी मुर्रा थाना डेरापुर, खुशबू (17) पुत्री पंकज शर्मा, प्राची (13) पुत्री पंकज निवासी मुर्रा थाना डेरापुर, गोलू (16) पुत्र विजय निवासी बैरी बाघपुर थाना शिवली, प्रतीक (10) पुत्र पवन निवासी शैलहा थाना शिवराजपुर कानपुर नगर व संजय शर्मा (45) उर्फ संजू निवासी एमएल–69 बर्रा–4 कानपुर को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर अस्पताल पहुंचे परिजनों में चीख पुकार मच गई। देर रात सीओ सिकंदरा प्रिया सिंह, एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पंकज ने पुलिस को बताया कि संजय शर्मा उसके चाचा थे, जो बीएसएफ में एएसआई थे, जबकि छोटा भाई विकास बिल्हौर में होमगार्ड थे। एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि जांच के दौरान बारिश के कारण अचानक ब्रेक लगने से गाड़ी फिसलकर नाले में पलटने की जानकारी मिली है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

तीव्र मोड़ और बारिश की फिसलन बनी हादसे की वजह

थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव के पास जिस जगह पर कार बेकाबू होकर नाले में पलटी, वहां पर तीव्र मोड़ है, ऊपर से बारिश होने के कारण सड़क पर बहकर आई मिट्टी की वजह से फिसलन हो गई थी। हादसे के बाद पुलिस भी इन्हीं बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस का भी मानना है कि अचानक से ब्रेक लगाने से गाड़ी का संतुलन बिगड़ने से पलट होगी। पुलिस को भी काफी दूर से टायर मार्क (रगड़ के निशान) मिले हैं। पुलिस ने फोरेंसिक टीम व टेक्निकल टीम बुलाकर जांच कराई।

घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि गांव से पहले तीव्र मोड़ होने के कारण कई बार पहले भी हादसे हो चुके हैं। यहां पर न तो कोई ब्रेकर है और न ही संकेतक लगा है। अनजान राहगीरों को मोड़ का अंदाजा नहीं लग पाता और अक्सर हादसे का शिकार हो जाते हैं। रविवार रात बारिश होने के बाद बढ़ी फिसलन और तीव्र मोड़ भी हादसे का कारण मानी जा रही है। एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि जांच में मौके पर टायर रगड़ने के निशान मिलें हैं। इससे पता चलता है कि चालक ने तीव्र मोड़ होने पर गाड़ी रोकने का प्रयास किया लेकिन गाड़ी फिसलने के बाद नाले में पलट गई। हादसे की जांच की जा रही है।

उठो गोलू, तुम्हें तो डॉक्टर बनना है...

हादसे में बेटे अंश उर्फ गोलू को खोने के बाद पिता विजय शर्मा, मां विनीता का बुरा हाल था। पिता बेटे के शव को देखकर बार–बार यही कह रहा था, उठो गोलू तुम्हें तो डॉक्टर बनना है। तुमने तो मेरे सपने अधूरे छोड़ दिए। कभी वह पत्नी को संभलता तो कभी बेटे के शव के पास दहाड़े मार–मारकर रोता। परिवार के लोग उसे ढांढस बंधाते रहे। बैरी बाघपुर के रहने वाले विजय शर्मा ने बताया कि वह पंकज शर्मा का साला है। भांजी के तिलक समारोह में शामिल होने परिवार के लोग मुर्रा डेरापुर गए थे। बताया कि बेटा अंश शर्मा उर्फ गोलू नीट की तैयारी कर रहा है। उसने डॉक्टर बनाने का सपना देखा था, जबकि छोटा बेटा तनिष्क एयरफोर्स में है।

नातिन की शादी के लिए संजय ने बढ़ाई थी छुट्टी

बीएसएफ जवान संजय शर्मा मूलरूप से मुर्रा डेरापुर के रहने वाले थे। उनके भतीजे पंकज की बेटी सुगम का चार फरवरी को तिलक था। हादसे में संजय की मौत के बाद बेटा शिवम जिला अस्पताल में बेसुध रोता बिलखता रहा। शिवम ने बताया कि पिता बीएसएफ के एसटीसी टेकनपुर ग्वालियर में एएसआई के पद पर तैनात थे। छह जनवरी तक छुट्टी लेकर घर आए थे लेकिन चाचा की बेटी का तिलक होने के कारण दो दिन पहले ही छुट्टी बढ़वाई थी। बताया कि परिवार बर्रा–4 कानपुर में रह रहा है। संजय की मौत के बाद पत्नी ममता, छोटा बेटा, सत्यम शर्मा, उनके रिश्तेदार ज्ञान प्रकाश शर्मा जिला अस्पताल में बिलखते रहे। शिवम ने बताया कि अनंतराम टोल पहुंचने पर उसने पापा से फोन पर बात की थी। इस पर पापा ने बताया कि कुछ देर वह गांव पहुंच जाएंगे।

दामाद और पौत्र की मौत के बाद बदहवाश रही दादी

जिला अस्पताल पहुंची शैलहा शिवराजपुर निवासी मुन्नी देवी बदहवाश दिखी। दामाद विकास व पौत्र प्रतीक की मौत के बाद ''सब कुछ उजड़ गया'' की बात कहकर वह दहाड़े मार मारकर बिलखती रही। उसे बेटा श्रवण उर्फ बउवन ढांढस बंधाता रहा। श्रवण ने बताया कि प्रतीक उनके बड़े भाई पवन का बेटा है, जबकि विकास उनके बहनोई थे। विकास बिल्हौर में होमगार्ड हैं और तहसील में एक अधिकारी की गाड़ी चलाते थे। मुन्नी देवी ने सिसकियां भरते हुए बताया कि प्रतीक अपनी दादी का ख्याल रखता था। रोज सुबह चाय लेकर आता था। वह बार–बार यही कह रही थी, उठो प्रतीक अब दादी का चाय कौन पिहैये। इधर पति विकास की मौत के बाद पत्नी माया का रो–रोकर बुरा हाल रहा।

इकलौते बेटे की मौत से गुमसुम हो गया पवन

बेटे प्रतीक की मौत के बाद पिता पवन, मां कामिनी, बहन दीपाली उर्फ दीपांशी बिलखते रहे। पवन ने बताया कि प्रतीक उनका इकलौता बेटा था। घर में सबसे तेज था। दादी के साथ ही वह अपनी मां व बहन का ख्याल रखता था।

गवर्नर आनन्दी बेन पटेल से शिष्टाचार मुलाक़ात करते हुए युवा PCS अफ़सर

माफिया ने 'अतीक ट्रेडर्स' के खाते में आए पैसों से खरीदी थी ग्रेटर नोएडा की मन्नत कोठी

सूत्रों का कहना है कि अतीक ने बैंक में अतीक ट्रेडर्स के नाम से खाता खुलवाया था। इसमें वर्ष 2014 में 55 लाख रु का ट्रांजेक्शन हुआ था। इसके पहले भी खाते में वर्षों से नकदी जमा की जाती रही है। पुलिस ने आयकर विभाग से कंपनी के आयकर रिटर्न की जांच कराई तो पता चला कि वर्ष 1990 से बाद के वर्षों तक कोई रिटर्न दाखिल नही किया गया।

प्रयागराज। माफिया ने ग्रेटर नोएडा स्थित मन्नत कोठी अतीक ट्रेडर्स नाम के बैंक खाते में आई रकम से खरीदी थी। स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) में अतीक ट्रेडर्स के नाम से खोले खाते में कई सालों तक लाखों रुपए का लेनदेन हुआ था। छानबीन की दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है, जिसके बाद बैंक में पैसा जमा करने वालों के बारे में जांच शुरू हो गई है। सूत्रों का कहना है कि माफिया अतीक ने बैंक में अतीक ट्रेडर्स के नाम से खाता खुलवाया था। इस खाते में वर्ष 2014 में 55 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ था। इसके पहले भी उस खाते में वर्षों से नकदी जमा की जाती रही है। पुलिस ने आयकर विभाग से कंपनी के आयकर रिटर्न की जांच कराई तो पता चला कि वर्ष 1990 से बाद के वर्षों तक कोई रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है।

खाते में कौन जमा करा रहा था पैसे ?

आईटीआर शून्य होने के आधार पर कंपनी को फर्जी माना गया है। ऐसे में पुलिस पता लगा रही है कि बैंक खाते में पैसा जमा करने वाले व्यक्ति पीड़ित हैं अथवा माफिया के करीबी।

खाते में पैसा जमा करने वालों की सूची तैयार

अतीक ट्रेडर्स खाते में पैसा जमा करने वालों की पूरी सूची तैयार की गई है। उनके एकाउंट के आधार पर छानबीन बढ़ाई जा रही है। हाल ही में पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने करीब चार करोड़ रुपये की मन्नत कोठी को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क करने का आदेश दिया था।

इससे पहले पुलिस ने कोठी को अपराध से अर्जित पैसे से खरीदने के बिंदु पर जांच की तो अतीक ट्रेडर्स नाम के बैंक खाते का पता चला। पुलिस जल्द ही मन्नत कोठी को कुर्क करने की कार्रवाई करेगी।

महिला जज ने मौत से पहले इन लोगों से की थी फोन पर बात, काल डिटेल से नया मोड़

जज की मौत के मामले में सबूत...

सिविल जज जूनियर डिवीजन ज्योत्सना राय का शव उनके सरकारी आवास में फंदे से लटका मिला था

बदायूं । बदायूं की सिविल जज जूनियर डिवीजन ज्योत्सना राय ने अपनी मौत से पहले अपने मोबाइल फोन से कई नंबरों पर बात की थी। पुलिस तफ्तीश में वे परिजनों और उनके दोस्तों के निकले हैं। फिलहाल शहर कोतवाली पुलिस हत्या के एंगल पर जांच कर रही है। अगर इसमें साक्ष्य नहीं मिले तो मुकदमा आत्महत्या में तरमीम कर दिया जाएगा।

सिविल जज जूनियर डिवीजन ज्योत्सना राय का शव उनके सरकारी आवास में फंदे से लटका मिला था। पुलिस की सूचना पर उनके परिजनों को पहुंचने के बाद ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। उनके पिता अशोक राय ने हत्या का आरोप लगाते हुए अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। दूसरे दिन यानी रविवार सुबह करीब 11 बजे उनके शव का पैनल में पोस्टमार्टम कराया गया था। एसएसपी आलोक प्रियदर्शी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि हुई थी। इससे मामला आत्महत्या की ओर भी इशारा कर रहा था लेकिन कोतवाली पुलिस अभी हत्या का मामला मानते हुए विवेचना कर रही है।

बताते हैं कि पुलिस ने मामले की सच्चाई जानने के लिए महिला जज के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल भी निकलवाई है। जिस तरह लोगों का कहना है कि वह देर रात किसी से मोबाइल पर बात करती रहीं थीं उसका अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। कोतवाली पुलिस मामले की तह तक जाने की पूरी कोशिश कर रही है।

विवेचना आगे बढ़ाने को परिवार वालों से किया जाएगा संपर्क

एसएसपी आलोक प्रियदर्शी का कहना है कि परिवार वालों ने हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। इससे पहले परिवार वालों की बात सुनी जाएगी। अगर वह कोई साक्ष्य देते हैं तो उस पर अमल किया जाएगा। उन साक्ष्यों को मुकदमे में शामिल किया जाएगा। अगर हत्या के एंगल पर कोई साक्ष्य नहीं मिलते हैं तो मुकदमे को आत्महत्या में तरमीम कर दिया जाएगा। इसमें पहले परिवार वालों से ही बात की जाएगी।

सीएमएस बोले– पुलिस की ओर से लेट मिला था पंचनामा

पोस्टमार्टम हाउस पर डॉक्टरों के लेट पहुंचने का मामला काफी गरमा गया है। रविवार सुबह जब डॉक्टर लेट पहुंचे थे, तो उस पर जिला जज पंकज अग्रवाल ने नाराजगी व्यक्त की थी और उन्होंने कार्रवाई के लिए कहा था। इस संबंध में जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. कप्तान सिंह का कहना है कि रविवार सुबह करीब 9:45 बजे पुलिस की ओर से पंचनामा मिला था। तब तीन डॉक्टरों का पैनल गठित किया गया था। सुबह करीब 11 बजे शव का पोस्टमार्टम भी करा दिया गया था। उन्हें पुलिस की ओर से ही पंचनामा लेट मिला था। इससे व्यवस्थाएं जुटाने में समय लग गया था। एक डॉक्टर उज्ञानी और एक वजीरगंज से बुलाए गए। अभी न्यायालय की तरफ से उन्हें कार्रवाई के संबंध में कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

पाला बदलने का डर... दो कांग्रेसी विधायकों की मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा से आलाकमान हलकान

कांग्रेस ने पहले बिहार के विधायकों को दिल्ली में रोका, ...फिर हैदराबाद भेजा

पटना |

तू डाल डाल.. मैं पात पात। बिहार में सत्ता और विपक्ष के बीच यह खेल जारी है। पाला बदल के बाद बनी एनडीए की नई सरकार 12 फरवरी को बहुमत साबित करेगी। राजद कहता रहा है कि विश्वास मत के समय कुछ भी हो सकता है। सत्ता पक्ष का भी बैकअप प्लान तैयार है। टारगेट कांग्रेस है। इसी ने आलाकमान की नींद उड़ा रखी है। 2020 में जिस तरह बसपा से जीत कर मंत्री बनने के लिए जमां खां जदयू में शामिल हो गये थे, वैसी ही महत्वाकांक्षा दो कांग्रेसी विधायकों ने भी पाल रखी है। एहतियातन कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने शनिवार को दिल्ली बुलाए गए पार्टी के 16 विधायकों को वहीं रोक लिया। बाद में उन्हें हैदराबाद भेजा दिया। 11 फरवरी तक ये विधायक वहीं रहेंगे। तेलंगाना भेजे गए विधायकों में दर्जन भर वैसे हैं जो एक जदयू नेता (पूर्व कांग्रेसी) के संपर्क में थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने विधायकों के हैदराबाद जाने की पुष्टि की है।

क्यों डरी है कांग्रेस • बैठक से 3 गैरहाजिर,1 तो कभी आते ही नहीं

दिल्ली पहुंचे 16 विधायकों में से एक विजय शंकर दूबे परिवार में शादी होने के कारण आलाकमान से परमिशन ले बिहार लौट आये। बोले-कांग्रेस के विधायक एकजुट हैं। नेतृत्व से परमिशन लेकर हम बिहार आये हैं। घर में शादी है। तैयारी करनी है।

1 आबिदुर रहमान (अररिया), मनोहर सिंह (मनिहारी) और सिद्धार्थ सौरभ (विक्रम) दिल्ली गए ही नही। मनोहर तो पार्टी के किसी कार्यक्रम में शिरकत ही नहीं करते।

2 सीमांचल के 4 जिलों में कांग्रेस के 5 विधायक हैं। इनमें एक तो पार्टी के किसी बैठक में नहीं आते हैं। दूसरे महागठबंधन सरकार में पद नहीं मिलने से नाराज हैं।

3 मगध के 2, शाहाबाद के 2, सीमांचल के 2 और तिरहुत क्षेत्र के 1 को छोड़ बाकी दर्जन भर की निष्ठा के प्रति प्रदेश नेतृत्व आलाकमान को आगाह करता रहा है।

4 एनडीए (जदयू-भाजपा-हम-निर्दलीय) की तरफ 128 विधायकों (बहुमत नंबर 122 से 6 ज्यादा) के होने के बाद भी कांग्रेसी विधायकों पर सत्ता पक्ष की कड़ी निगाह है।

हैदराबाद पहुंचे कांग्रेसी विधायक

बाड़ाबंदी... बिहार के कांग्रेस विधायक और वरीय नेता रविवार की रात हैदराबाद पहुंचे। उन्हें एक होटल में ठहराया गया है।

एनडीए... विभागों के बंटवारे से जीतन राम मांझी नाखुश

हमें जो मंत्रालय दिया जाता था, वही मिला, क्या हम दूसरे उच्च विभाग के लायक नहीं हैं : मांझी

वजीरगंज (गया)| जीतन राम मांझी ने नए मंत्रिमंडल पर कहा कि हमें जो मंत्रालय दिया जाता था। वही हमारे बेटे को भी दिया गया है। क्या हम लोग दूसरे उच्च विभाग के लायक नहीं हैं? रविवार को वजीरगंज महाविद्यालय परिसर में आयोजित गरीब संकल्प सभा को संबोधित करते हुए मांझी ने कहा- आपलोगों के सहयोग से आगामी लोकसभा चुनाव में एनडीए को बिहार की सभी सीटों पर जीत दिलाना है। जाति-पाति, धर्म-भेद से हटकर मानव समाज में केवल गरीब-अमीर दो तरह के लोग रहते हैं। हम गरीबों के हक की लड़ाई मरते दम तक लड़ते रहेंगे। दुनिया को कर्मठता की परिभाषा बतलाने वाले पर्वत पुरुष स्व. दशरथ मांझी को भारत रत्न मिलना चाहिए।

संतोष ने इस्तीफे की चर्चा को खारिज किया

रविवार को तेज चर्चा चली कि मंत्री डॉ.संतोष कुमार सुमन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसे खारिज किया। लिखा- इस्तीफे की खबर निराधार है। मैं एनडीए के साथ था हूं और रहूंगा। लोभ, लालच की राजनीति को मैं चिमटे से भी नहीं छू सकता। जनता का आशीर्वाद काफी है। कुर्सी तो आनी-जानी है।

उधर, दिल्ली में दोनों डिप्टी सीएम अमित शाह व राजनाथ से मिले, कहा- कैबिनेट विस्तार जल्द

पटना| डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा- बिहार में लॉ-ऑर्डर को दुरुस्त करना हमारी पहली प्राथमिकता है। 10 लाख लोगों को नौकरी देने का काम होगा। सात निश्चय 2 के वादों को जमीन पर पूर्णता में उतारने का काम किया जाएगा। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा- 2020 में हमने जनता से जो वादे किए थे, उसे पूरा करेंगे। हमारी कोशिश होगी कि कम समय में बेहतर बिहार कैसे बने? दोनों डिप्टी सीएम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा पार्टी के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से मिले। दोनों ने कहा-कैबिनेट विस्तार जल्द होगा। लालू तो सिर्फ 12 मंत्री के बूते 3 साल तक सरकार चलाए थे। वे रविवार को दिल्ली में मीडिया से मुखातिब थे।

तेजस्वी को खेला के लिए खिलौना जरूर देंगे

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा- राजद नेता तेजस्वी यादव खेला की बात कह रहे हैं। हम उनको खेला के लिए खिलौना जरूर देंगे। ये जितने लोग सरकार में थे, सब ठेकेदार, बालू व शराब माफिया से जुड़े लोग हैं। सबका इलाज होगा। एक-एक की जांच होगी। कार्रवाई होगी। गुंडागर्दी करने वाले जेल जाएंगे।

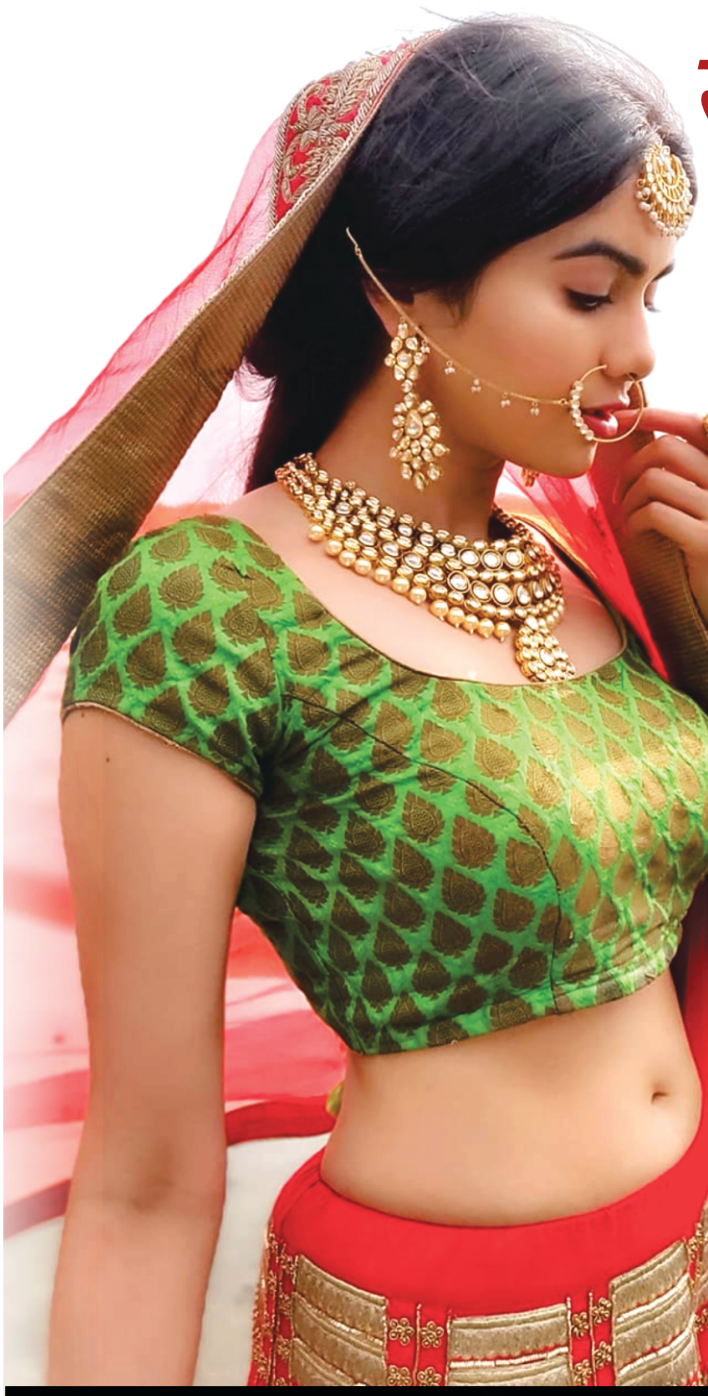

रोहित शेट्टी को पसंद आएगी इस कंटेस्टेंट की वाइब

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। ज्ञींजतवद ज्ञम ज्ञीपसंकप 14: खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 का आगाज होने में अभी समय है, लेकिन इस शो को लेकर चर्चाएं अभी से तेज हो गयी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 13 सफल सीजन के बाद मेकर्स इस स्टंट बेस्ड शो के चौदहवें सीजन की तैयारियों में जुट गए हैं और उन्होंने अभी से एक्टर्स को इस रियलिटी शो के लिए अप्रोच करना शुरू कर दिया है।

बीते दिनों ही खबर आई थी कि बिग बॉस 17 में फर्स्ट रनरअप अभिषेक कुमार (।ईीपीमा ज्ञनउंत)और उनकी एक्स गर्लफ्रेंड ईशा मालवीय सलमान खान के बाद अब रोहित शेट्टी के शो में भिड़ते हुए नजर आएंगे।

अब इन दोनों के अलावा बिग बॉस सीजन 17 के एक और कंटेस्टेंट का नाम खतरों के खिलाड़ी 17 के लिए फाइनल हुआ है।

अभिषेक के अलावा खतरों के खिलाड़ी 14 में दिखेगा ये सितारा?

सलमान खान के विवादित शो में अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय के अलावा जिस कंटेस्टेंट के रिश्ते ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी थी, वह थे मुनव्वर फारुकी और मनारा चोपड़ा। इन दोनों कंटेस्टेंट का रिश्ता पूरे सीजन खूब सुर्खियों में रहा।

अब हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिषेक कुमार के अलावा मनारा चोपड़ा (डंददंतं बेवचतं)का नाम भी रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 के लिए कन्फर्म हो चुका है। टेली चक्कर में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक, मनारा चोपड़ा को खतरों के खिलाड़ी के लिए अप्रोच किया गया है और बहुत चांसेस हैं कि वह सलमान खान के बाद अब रोहित शेट्टी के शो में अपनी 'वाइब' से तड़का लगाते हुए नजर आए।

अभिषेक के साथ बनी मनारा की जोड़ी

बिग बॉस 17 से निकलने के बाद मनारा चोपड़ा जहां मुनव्वर फारुकी के टच में नहीं हैं, तो वहीं दूसरी तरफ अभिषेक के साथ हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी फोटोज जमकर वायरल हो रही हैं। बिग बॉस 17 के इन दोनों कंटेस्टेंट ने हाल ही में एक म्यूजिक वीडियो में साथ में काम किया है, जो जल्द ही दर्शकों के सामने होगा। दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब भा रही है। इस गाने की शूटिंग उन्होंने चंडीगढ़ में की है।

रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी के नए सीजन के लिए दर्शक हमेशा ही उत्साहित रहते हैं। बिग बास के खत्म होते ही इस स्टंट बेस्ड शो के लिए अप्रोच खिलाड़ियों के नाम सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिषेक कुमार के बाद अब एक और बिग बास 17 के कंटेस्टेंट का नाम इस शो के लिए कन्फर्म हुआ।

'अच्छी लग रही हूं, शादी कर लूं?'

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने फोटोज शेयर कर पूछा सवाल

बालीवुड की मशहूर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों के साथ मजेदार कैप्शन भी लिखा, ''अच्छी लग रही हूं, शादी कर लूं?'

नक्सलियों से जवानों की मौत का बदला लेने आ रही

केरल में आतंकवादियों का काला सच बताने के बाद अब अदा शर्मा बस्तर में चल रहे नक्सलियों की साजिश का पर्दाफाश करने आ रही हैं। सोमवार को सुदीप्तो सेन की आगामी फिल्म बस्तर– द नक्सल स्टोरी का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में अदा शर्मा की परफार्मेंस दमदार लग रही है। देखिए पहली झलक।

अदा शर्मा ने 6 फरवरी 2024 को सोशल मीडिया पर 'बस्तर– द नक्सल स्टोरी' का टीजर शेयर किया है। एक्ट्रेस ने एक्स पर लिखा है, "निर्दोष लोगों के खून से लाल रंग की कहानी! अनकही कहानी कैद करें। बस्तर– द नक्सली स्टोरी का टीजर आउट।" फिल्म में अदा शर्मा आफिसर नीरजा माधवन का किरदार निभाती नजर आएंगी।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। साल 2023 में सुदीप्तो सेन और अदा शर्मा ने 'द केरल स्टोरी' से धूम मचाई थी। फिल्म में अदा को मेडिकल कॉलेज में चल रही आतंकवादी साजिश का पर्दाफाश करते देखा गया था। अब वह आईपीएस बनकर नक्सलियों का खात्मा करने के लिए तैयार हैं। अदा शर्मा की आगामी फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' का एलान पिछले साल किया गया था। तब से इस मूवी का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। फाइनली फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया गया है।

बस्तर– द नक्सल स्टोरी का टीजर रिलीज

अदा शर्मा ने 6 फरवरी 2024 को सोशल मीडिया पर 'बस्तर– द नक्सल स्टोरी' का टीजर शेयर किया है। एक्ट्रेस ने एक्स पर लिखा है, "निर्दोष लोगों के खून से लाल रंग की कहानी! अनकही कहानी कैद करें। बस्तर– द नक्सली स्टोरी का टीजर आउट।" फिल्म में अदा शर्मा प्ै ऑफिसर नीरजा माधवन का किरदार निभाती नजर आएंगी।

अदा शर्मा ने JNU पर साधा निशाना

सामने आए टीजर की शुरुआत अदा से होती है। एक मिनट 16 सेकेंड के वीडियो में अदा ने कहा, "पाकिस्तान के साथ हुए चार युद्धों में हमारे 8,738 जवान शहीद हुए हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे देश के अंदर नक्सलियों ने 15 हजार से ज्यादा जवानों की हत्या की है। बस्तर में हमारे 76 जवानों को नक्सलियों ने बड़ी क्रूरता से मारा था और तब इसका जश्न मनाया गया श्रछन् में।"नक्सलियों से बदला लेंगी अदा शर्मा

अदा शर्मा ने आगे कहा, "सोचिए हमारे देश की इतनी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी हमारे जवानों की शहादत पर जश्न मनाती है। कहां से आती है ऐसी सोच। बस्तर में भारत के टुकड़े करने की साजिश कर रहे हैं यह नक्सली और इनका साथ दे रहे बड़े शहरों में बैठे लेफ्ट लिबरल सूडो इंटेलैक्चुअल्स। इन वामपंथियों को सड़क पर खड़ा कर सरेआम गोली मार दूंगी। चढ़ा देना फांसी पर।" सुदीप्तो सेन निर्देशित 'बस्तर– द नक्सल स्टोरी' का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है। फिल्म 15 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इस हफ्ते ओटीटी पर आर्या 3 का आखिरी पार्ट आएगा
भूमि पेडनेकर की फिल्म भक्षक सीधे ओटीटी पर आ रही है
खिचड़ी 2 भी इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज हो रही है

भूमि करेंगी 'भक्षक' का पर्दाफाश

सीरीज पिनोजा की रीमेक आर्या के साथ सुष्मिता सेन ने ओटीटी स्पेस में अपनी पारी शुरू की थी। सीरीज में उन्होंने राजस्थान के ड्रग्स माफिया परिवार की बेटी का किरदार निभाया है जिसे अपने बच्चों की हिफाजत के लिए इस धंधे में शामिल होना पड़ता है। सीरीज का आखिरी भाग इस हफ्ते रिलीज होगा।

एंटरटेनमेंट डेस्क । फरवरी के इस हफ्ते में ओटीटी पर धमाल मचने वाला है। सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज आर्या के तीसरे सीजन का पर्दा इस हफ्ते गिर जाएगा। वहीं, भूमि पेडनेकर की फिल्म भक्षक सीधे ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। अन्य भाषाओं के कंटेंट में दिलचस्पी रखते हैं, वो भी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर देख सकते हैं। 6 फरवरी को जिओ सिनेमा पर हॉलीवुड की हॉरर फिल्म 'द एक्सोरसिस्ट बिलीवर' रिलीज हो रही है। वहीं, 7 फरवरी तो प्लेटफॉर्म पर 'द नन 2' स्ट्रीम कर दी जाएगी। 8 फरवरी को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 'एबॉट एलिमेंट्री सीजन 3' आ रहा है। वहीं, जिओ सिनेमा पर 'हेलो सीजन 2' रिलीज हो रहा है। नेटफ्लिक्स पर रोमांटिक मिनी सीरीज वन डे आएगी।

9 फरवरी को ओटीटी पर कंटेंट की बारिश

फरवरी के दूसरे शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स में इतनी फिल्में और सीरीज आ रही हैं कि कन्फ्यूज हो जाएंगे, क्या देखें और क्या छोड़ें? साउथ की मसाला फिल्मों के शौकीन हैं तो जनवरी में रिलीज हुई कई फिल्में ओटीटी पर उतर रही हैं। चलिए, बताते हैं कि कहां क्या देख सकते हैं।

इंग्लैंड के 'बैजबाल' पर भारतीय गेंदबाज पड़े भारी यशस्वी-गिल के बाद बुमराह-अश्विन का कमाल

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 अंक तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रा	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	10	6	3	1	66	55.00
2	भारत	6	3	2	1	38	52.77
3	द. अफ्रीका	2	1	1	0	12	50.00
4	न्यूजीलैंड	2	1	1	0	12	50.00
5	बांग्लादेश	2	1	1	0	12	50.00
6	पाकिस्तान	5	2	3	0	22	36.66
7	वेस्टइंडीज	4	1	2	1	16	33.33
8	इंग्लैंड	7	3	3	1	21	29.16
9	श्रीलंका	2	0	2	0	0	0.00

भारत ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 106 रन से हराया

सीरीज 1-1 से बराबर

भारत		इंग्लैंड	
396, 255		253, 292	
यशस्वी जायसवाल	शोएब बशीर	जैक क्राउली	जसप्रीत बुमराह
226 रन	6 विकेट	149 रन	9 विकेट

विशाखापत्तनम । भारत की ओर से बल्लेबाजी में यशस्वी और शुभमन के बाद गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन का भी कमाल देखने को मिला। दोनों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन-तीन विकेट झटके।

भारत ने इंग्लैंड के सामने 399 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम की दूसरी पारी 292 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की बदौलत पहली पारी में 396 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 253 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 143 रनों की बढ़त मिली। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में गिल के शतक के दम पर 255 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 399 रनों का लक्ष्य रखा। फिर इंग्लिश टीम को 292 पर समेट कर भारत ने मैच अपने नाम किया। भारत की ओर से बल्लेबाजी में यशस्वी और शुभमन के बाद गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन का भी कमाल देखने को मिला। दोनों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन-तीन विकेट झटके।

इंग्लैंड की दूसरी पारी

इंग्लैंड ने चौथे दिन एक विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया। बेन डकेट 28 रन बनाकर रविवार को आउट हुए थे। टीम को सोमवार का पहला झटका अक्षर पटेल ने दिया। उन्होंने नाइट वॉचमैन रेहान अहमद को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। रेहान 23 रन बना सके। इसके बाद अश्विन ने ओली पोप (23) और जो रूट (16) को पवेलियन भेजा। क्राउली ने एक छोर को संभाले रखा। उन्होंने अर्धशतक लगाया। फिर जैक क्राउली और जॉनी बेयरस्टो ने 40 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को लंच से ठीक पहले कुलदीप ने तोड़ा। कुलदीप की फिरकी का जादू चला और उन्होंने क्राउली को पवेलियन भेज दिया। कुलदीप की गेंद क्राउली के पैड पर जाकर लगी। इस पर कुलदीप कप्तान रोहित से डीआरएस लेने की मांग करने लगे। रोहित ने थोड़ा समय लिया और फिर रिव्यू ले लिया।

इसके बाद रिव्यू में दिखा कि तीनों रेड टिक लगे और क्राउली आउट हो गए। रोहित ने फिर कुलदीप को गोदी में उठा लिया। क्राउली ने 132 गेंद में 73 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद बुमराह ने बेयरस्टो को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह पांच चौके की मदद से 26 रन बना सके।

ऐसा लग रहा था कि बेन स्टोक्स और बेन फोक्स मैच निकाल लेंगे, तभी स्टोक्स को श्रेयस अय्यर ने रन आउट कर दिया। अय्यर ने डायरेक्ट हिट पर स्टोक्स को पवेलियन भेजा। वह 11 रन बना सके। इसके बाद फोक्स ने टॉम हार्टले के साथ 55 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को बुमराह ने तोड़ा। उनका कैच बुमराह ने अपनी गेंद पर लपका।

वह 36 रन बना सके। इसके बाद मुकेश कुमार ने बशीर को विकेटकीपर भरत के हाथों कैच कराया। वह खाता नहीं खोल सके। वहीं, बुमराह ने टॉम हार्टले को क्लीन बोल्ड कर इंग्लैंड की दूसरी पारी 292 रन पर समेट दी। हार्टले ने 36 रन की पारी खेली। भारत की ओर से बुमराह और अश्विन ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, मुकेश, कुलदीप और अक्षर को एक-एक विकेट मिला। बुमराह ने इस टेस्ट की पहली पारी में छह विकेट लिए थे। कुल मिलाकर इस मैच में उन्होंने नौ विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया।

भारत की दूसरी पारी में शुभमन का शतक

भारत की दूसरी पारी 255 रन पर समाप्त हुई थी। कप्तान रोहित शर्मा 13 रन और यशस्वी 17 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर भी कुछ खास नहीं कर सके और 29 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी निभाई। रजत पाटीदार नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, शुभमन ने अक्षर पटेल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई। शुभमन ने टेस्ट करियर का तीसरा शतक लगाया। उन्होंने 11 चौके और दो छक्के की मदद से 104 रन की पारी खेली। अक्षर 45 रन बनाकर आउट हुए। भरत फिर फ्लॉप रहे और छह रन बनाकर आउट हुए। कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह खाता भी नहीं खोल सके। अश्विन ने आखिर में 29 रन की सूझबूझ वाली पारी खेली। इस तरह भारत ने अपनी दूसरी पारी में 398 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से टॉम हार्टले ने चार विकेट लिए। वहीं, रेहान अहमद को तीन और जेम्स एंडरसन को दो विकेट मिले। शोएब बशीर ने एक विकेट लिया।

बुमराह-कुलदीप ने इंग्लैंड की पहली पारी को तहस-नहस किया

इंग्लैंड की टीम हैदराबाद टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की थी। इससे ऐसा लग रहा था कि यहां भी वह कुछ कमाल दिखा पाएगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। जसप्रीत बुमराह की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लिश टीम की पारी को 300 रन तक भी नहीं पहुंचने दिया और 253 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड के लगभग सभी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन यहां रोहित शर्मा की टीम ने किसी को भी बड़ी पारी नहीं खेलने दिया। इंग्लैंड के लिए जैक क्रॉली ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स ने 47 रन का योगदान दिया। जॉनी बेयरस्टो 25, ओली पोप 23, बेन डकेट और टॉम हार्टले 21-21 रन बनाकर आउट हुए। दिग्गज बल्लेबाज जो रूट फिर से फेल हो गए। वह सिर्फ पांच रन ही बना सके। बेन फोक्स, रेहान अहमद और जेम्स एंडरसन ने छह-छह रन बनाए। शोएब बशीर आठ रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा छह विकेट लिए। कुलदीप यादव ने तीन विकेट झटके। अक्षर पटेल को एक सफलता मिली।

भारत की पहली पारी में यशस्वी का तूफान

भारत की पहली पारी 396 रन पर समाप्त हुई थी। इसमें से यशस्वी जायसवाल ने अकेले 396 रन बनाए थे। उन्होंने अपनी ऐतिहासिक पारी में 19 चौके और सात छक्के लगाए। इसके अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज 35 से ज्यादा नहीं बना सका। कप्तान रोहित शर्मा 14 रन, शुभमन गिल 34 रन, श्रेयस अय्यर 27 रन, रजत पाटीदार 32 रन, अक्षर पटेल 27 रन, भरत 17 रन, अश्विन 20 रन, बुमराह छह रन और मुकेश शून्य बनाकर आउट हुए। कुलदीप आठ रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की ओर से जेम्स एंडरसन, शोएब बशीर और रेहान ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, हार्टले को एक विकेट मिला।

भारत को टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में तीन स्थान का फायदा शीर्ष पर पहुंचने से एक जीत दूर

1	ऑस्ट्रेलिया	10	6	3	1	66	55.00
2	भारत	6	3	2	1	38	52.77
3	दक्षिण अफ्रीका	2	1	1	0	12	50.00
4	न्यूजीलैंड	2	1	1	0	12	50.00
5	बांग्लादेश	2	1	1	0	12	50.00
6	पाकिस्तान	5	2	3	0	22	36.66
7	वेस्टइंडीज	4	1	2	1	16	33.33
8	इंग्लैंड	7	3	3	1	21	29.16
9	श्रीलंका	2	0	2	0	0	0.00

नई दिल्ली । इंग्लैंड पर जीत के साथ टीम इंडिया अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अगला मैच जीतते ही भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा और लगातार तीसरी बार फाइनल खेलने के लिए दावेदारी पेश करेगा। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला टीम इंडिया ने 106 रन से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने पांच मैच की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। इस जीत से भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भी बड़ा फायदा हुआ है। अब भारतीय टीम 52.77 फीसदी अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम 55 फीसदी अंक के साथ शीर्ष पर काबिज है। अगला मैच जीतने पर भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ अगला मैच जीतने पर भारत के पास सात मुकाबलों में 50 अंक हो जाएंगे। इस स्थिति में भारत का अंक प्रतिशत 59.52 होगा और वह 55 फीसदी अंक हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को पीछे छोड़ देगा।

इंग्लैंड की बात करें तो इस हार के साथ ही यह टीम अंक तालिका में आठवें नंबर पर बनी हुई है। इंग्लैंड से नीच सिर्फ श्रीलंका की टीम है, जिसने अब तक कोई मैच नहीं जीता है।

मैच में क्या हुआ ?

भारत ने इंग्लैंड को विशाखापत्तनम में खेले गए दूसरे टेस्ट में 106 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है। पहला टेस्ट इंग्लैंड ने 28 रन से जीता था। हालांकि, दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के 'बैजबॉल' पर भारतीय गेंदबाज भारी पड़े। 'बैजबॉल' इंग्लैंड की आक्रामक शैली की बल्लेबाजी को कहा गया है। तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाएगा। भारत ने इंग्लैंड के सामने 399 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम की दूसरी पारी 292 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की बदौलत पहली पारी में 396 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 253 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 143 रनों की बढ़त मिली। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में गिल के शतक के दम पर 255 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 399 रनों का लक्ष्य रखा। फिर इंग्लिश टीम को 292 पर समेट कर भारत ने मैच अपने नाम किया। भारत की ओर से बल्लेबाजी में यशस्वी और शुभमन के बाद गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन का भी कमाल देखने को मिला। दोनों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन-तीन विकेट झटके।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।